

Paper I — RESEARCH METHODOLOGY

Time : Three hours

Maximum : 100 marks

निम्न लिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(4 × 25 = 100)

(सभी प्रश्नों के अंक समान हैं)

1. (a) अनुसंधान का अर्थ और परिभाषा को स्पष्ट करते हुए उसके महत्व को समझाइए।

अथवा

- (b) अनुसंधान की चिंतन प्रणाली पर प्रकाश डालिए।

2. (a) अनुसंधान के प्रकारों को समझाइए।

अथवा

- (b) अनुसंधान के गुणों पर प्रकाश डालिए।

3. (a) साहित्यिक अनुसंधान के प्रकारों को समझाइए।

अथवा

- (b) तुलनात्मक अनुसंधान के प्रकारों पर प्रकाश डालिए।

4. (a) अनुसंधान और आलोचना को स्पष्ट करते हुए अनुसंधान और आलोचना के साम्य और वैषम्यों पर प्रकाश डालिए।

अथवा

- (b) किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए।

(i) निर्देशक के गुण

(ii) सर्वेक्षण पद्धति

(iii) सामग्री संकलन।

Time : Three hours

Maximum : 100 marks

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(सभी प्रश्नों के अंक समान हैं)

(4 × 25 = 100)

1. (a) शोध किसे कहते हैं? उसके स्वरूप और उद्देश्य को प्रकट कीजिए।

अथवा

- (b) शोध विषय का चुनाव किस प्रकार किया जाता है?

2. (a) प्रयोगत्मक शोध एवं मननात्मक शोध को समझाइए?

अथवा

- (b) अपने शोध विषय की सूपरेखा तैयार कीजिए।

3. (a) सामग्री संकलन के स्रोतों को बताइए।

अथवा

- (b) साक्षात्कार पद्धति में शोधार्थ की भूमिका निर्धारित कीजिए।

4. (a) साहित्यिक अनुसंधान की उपलब्धियों पर लेख लिखिए।

अथवा

- (b) किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए:

(i) घोषणा पत्र।

(ii) व्याख्यात्मक और आख्यात्मक शोध में भिन्नता बताइए।

(iii) शोध की सीमा।

Paper III — SPECIALIZATION – PREMCHAND

Time : Three hours

Maximum : 100 marks

निम्न लिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(4 × 25 = 100)

(सभी प्रश्नों के अंक समान हैं)

1. (a) उपन्यास के उद्भव और विकास पर प्रकाश डालिए।

अथवा

- (b) प्रेमचंद के उपन्यासों में चित्रित समसामयिक परस्थितियों को समझाइए।

2. (a) 'सेवासदन', 'प्रेमाश्रम' की समीक्षा कीजिए।

अथवा

- (b) प्रेमचंद के उपन्यासों में चित्रित सामाजिक समस्याओं को स्पष्ट कीजिए।

3. (a) कहानी सहित्य के उद्भव और विकास पर प्रकाश डालिए।

अथवा

- (b) प्रेमचंद के बारे में कहे गए विभिन्न लेखकों के विचारों की ओर संकेत कीजिए।

4. (a) प्रेमचंद की कहानियों की उपलब्धियों को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

- (b) किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए।

(i) 'रंगभूमि' की समीक्षा।

(ii) प्रेमचंद कालीन साहित्यकार।

(iii) प्रेमचंदोत्तर उपन्यासकार।